

**Project launching workshop
of
Mahila Kisan Sashaktikaran Pariyojna (MKSP)
Mandla district, Madhya Pradesh**



Date: 19th April' 2012

Venue: Madhya Pradesh Tourism Premises, Mandla

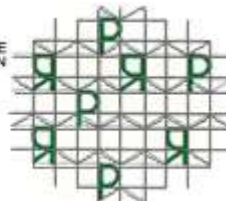
Organised by: ASA, PRADAN and CARD

jointly with

Madhya Pradesh Rajya Ajeevika Forum (MPRAF)



PROFESSIONAL ASSISTANCE
FOR DEVELOPMENT ACTION



Introduction:

The objective of MKSP is to sustain and improve agriculture and agriculture based livelihoods by establishing efficient local resource based agriculture, wherein women farmers gain more control over the production resources and manage the support systems. The scheme is also envisaged to enable women farmers gain/ access to the inputs and services provided by the government and thereby increasing the production capacities of women farmers and ensuring food security for their families and communities. A project launch workshop of the MKSP was organised in Mandla district of Madhya Pradesh. The programme was organised by ASA, PRADAN and CARD jointly with Madhya Pradesh Rajya Ajeevika Forum (MPRAF)



Inaugural Session:

Divisional Commissioner-Jabalpur Dr. Ravindra Pastor, inaugurated the workshop and addressed the audience. The occasion was graced by the presence of Collector-Mandla Ms. Swati Meena; Coordinator-Agriculture, MPRAF Mr. Rajesh Tripathi and Mr. Rajeev Saxena; CEO-Zila Panchayat Mr. Prabal Sipaha; President-Zila Panchayat Mrs. Sampatiya Uikey; MLA-Bichhiya Mr. Narayan Patta; DDA-Mandla Mr. K.S. Netam and DDM-NABARD Mr. S.J. Hardikar. The occasion was attended by over 100 women SHG members/leaders from the project villages.

“परियोजना का उद्देश्य लाभार्थियों की स्थाई आजीविका सुनिश्चित होने के साथ ही आमदनी में आशातीत वृद्धि करना है। परियोजना के माध्यम से संचालित की जा रही गतिविधियों के अधिकतम लाभ हेतु कृषि उत्पादों को बाज़ार से जोड़ना या उनका व्यवसायिक प्रबंध अति महत्वपूर्ण है, जिससे लाभार्थियों की आय में वृद्धि हो सके।”

– डॉ. रविन्द्र पस्तोर, संभागायुक्त, जबलपुर



“प्रशासन एक सहयोगी के रूप में न होकर कियान्वयन संस्थाओं के साथ सक्रिय रूप से मिलकर उद्देश्य की प्राप्ति हेतु कार्य करेगा।”

– सुश्री स्वाति मीणा, जिलाधीश, मंडला

“सभी के संयुक्त प्रयास से परियोजना जिले की पिछड़ी एवं गरीब महिलाओं के जीवन स्तर में वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी।”

– श्रीमती सम्पतिया उइके, अध्यक्ष, जिला पंचायत

Media coverage of the event

दैनिक भास्कर
 जयपुर
 बुधवार, 21 अप्रैल, 2012 8

आमदनी में वृद्धि करना है: कमिश्नर

किसान महिला सशक्तिकरण परियोजना का शुभारंभ

मंसूफ नज़र मंडला | चार विभाग में किसान महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए परियोजना का संचालन किया जाएगा। परियोजना भारत सरकार द्वारा संचालित होने वाले राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और राज्य आजीविका योजना द्वारा संचालित की जाएगी। इसका शुभारंभ संभागायुक्त चंद्र प्रस्तोर ने किया। कमिश्नर ने कहा कि परियोजना का उद्देश्य लाभार्थियों की स्थिति आजीविका सुनिश्चित होने के साथ ही आमदनी में आशावादी वृद्धि करना है। परियोजना के माध्यम से संचालित की जा रही गतिविधियों के अधिकतम लाभ हेतु कृषि उत्पादों को बाजार से जोड़ना या उनका व्यावसायिक प्रबंध प्रस्तोर हैं। जिससे लाभार्थियों की आय में वृद्धि हो सके। कलेक्टर स्वतंत्रता योग ने कहा कि प्रशासन केवल एक सहयोग के रूप में न होकर क्रियान्वयन संस्थाओं के साथ सक्रिय रूप से मिलकर उद्देश्य की प्राप्ति होगी। उन्होंने कहा कि जिले का वातावरण परियोजना के क्रियान्वयन के लिए सकारात्मक है। सभी के समूहिक प्रयास से तभी कृषि में स्थिति उद्देश्यों के लिए सशक्त परियोजना कम समय में ही परिलक्षित होने लगेगी। जिन अग्रस्थ समूहिक उनके ने कहा कि परियोजना के संचालन में सहयोग किया जाएगा।

विद्यमान स्थिति कि सभी के समूहिक प्रयास से जिले की पिछड़ी एवं सीमांत महिलाओं के जीवन स्तर में वृद्धि होगी। विविध विधायक नारायण प्रस्तोर ने कहा कि परियोजना महिला किसानों का सशक्त बनाएगी। महिलाएं घर-घर करीब संपत्तियों से कृषि को उठाकर तब तक करीब करीब जिससे उत्पादन बढ़ेगा। खेती के कार्य में महिलाओं को अहम भूमिका होगी है। खेती किसानों के कार्य में सक्रिय रूप से भाग लेंगी है। कार्यक्रम को जिप सीईओ प्रमल मिश्रा, जिनका शर्मा ने भी संबोधित किया। इस दौरान आजीविका कार्य के राजेश समरेन, राजेश शिवादी उपस्थित थे।

नईदुनिया
 मंडला आगरा

आमदनी में हो आशातीत वृद्धि : डॉ. प्रस्तोर

कृषि उत्पादों को बाजार से जोड़ना या व्यावसायिक प्रबंध अलग प्रस्तोर

डॉ. प्रस्तोर ने कहा कि किसानों की आमदनी में वृद्धि करना ही परियोजना का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि परियोजना के माध्यम से संचालित की जाएगी गतिविधियों के अधिकतम लाभ हेतु कृषि उत्पादों को बाजार से जोड़ना या उनका व्यावसायिक प्रबंध प्रस्तोर हैं। जिससे लाभार्थियों की आय में वृद्धि हो सके। कलेक्टर स्वतंत्रता योग ने कहा कि प्रशासन केवल एक सहयोग के रूप में न होकर क्रियान्वयन संस्थाओं के साथ सक्रिय रूप से मिलकर उद्देश्य की प्राप्ति होगी। उन्होंने कहा कि जिले का वातावरण परियोजना के क्रियान्वयन के लिए सकारात्मक है। सभी के समूहिक प्रयास से तभी कृषि में स्थिति उद्देश्यों के लिए सशक्त परियोजना कम समय में ही परिलक्षित होने लगेगी। जिन अग्रस्थ समूहिक उनके ने कहा कि परियोजना के संचालन में सहयोग किया जाएगा।

मंडला एक्सप्रेस
 बुधवार, 21 अप्रैल 2012

व्यवसाय को खुद समझें फिर समझाएं

परियोजना के उद्घाटन अवसर पर संभागायुक्त ने दी एनजीओ को नसीहत

डॉ. प्रस्तोर ने कहा कि किसानों की आमदनी में वृद्धि करना ही परियोजना का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि परियोजना के माध्यम से संचालित की जाएगी गतिविधियों के अधिकतम लाभ हेतु कृषि उत्पादों को बाजार से जोड़ना या उनका व्यावसायिक प्रबंध प्रस्तोर हैं। जिससे लाभार्थियों की आय में वृद्धि हो सके। कलेक्टर स्वतंत्रता योग ने कहा कि प्रशासन केवल एक सहयोग के रूप में न होकर क्रियान्वयन संस्थाओं के साथ सक्रिय रूप से मिलकर उद्देश्य की प्राप्ति होगी। उन्होंने कहा कि जिले का वातावरण परियोजना के क्रियान्वयन के लिए सकारात्मक है। सभी के समूहिक प्रयास से तभी कृषि में स्थिति उद्देश्यों के लिए सशक्त परियोजना कम समय में ही परिलक्षित होने लगेगी। जिन अग्रस्थ समूहिक उनके ने कहा कि परियोजना के संचालन में सहयोग किया जाएगा।

बुधवार, 21 अप्रैल 2012 | डीडोली, मण्डला, नरसिंहपुर | हरिभूमि

सशक्तिकरण परियोजना का हुआ शुभारंभ

डिप्टी कलेक्टर

जिले के चार विकासखण्डों में किसान महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए परियोजना का संचालन किया जाएगा। परियोजना भारत सरकार द्वारा संचालित होने वाले राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और राज्य आजीविका योजना द्वारा संचालित की जाएगी। इसका शुभारंभ संभागायुक्त चंद्र प्रस्तोर ने किया। कमिश्नर ने कहा कि परियोजना का उद्देश्य लाभार्थियों की स्थिति आजीविका सुनिश्चित होने के साथ ही आमदनी में आशावादी वृद्धि करना है। परियोजना के माध्यम से संचालित की जाएगी गतिविधियों के अधिकतम लाभ हेतु कृषि उत्पादों को बाजार से जोड़ना या उनका व्यावसायिक प्रबंध प्रस्तोर हैं। जिससे लाभार्थियों की आय में वृद्धि हो सके। कलेक्टर स्वतंत्रता योग ने कहा कि प्रशासन केवल एक सहयोग के रूप में न होकर क्रियान्वयन संस्थाओं के साथ सक्रिय रूप से मिलकर उद्देश्य की प्राप्ति होगी। उन्होंने कहा कि जिले का वातावरण परियोजना के क्रियान्वयन के लिए सकारात्मक है। सभी के समूहिक प्रयास से तभी कृषि में स्थिति उद्देश्यों के लिए सशक्त परियोजना कम समय में ही परिलक्षित होने लगेगी। जिन अग्रस्थ समूहिक उनके ने कहा कि परियोजना के संचालन में सहयोग किया जाएगा।

Women's Empowerment Project in Mandla

Dr. Prastor addressing the inauguration

Dr. Prastor said that the project is a joint effort of the Government of India, State Government of Madhya Pradesh and the Government of Mandla. The project aims to empower women in agriculture and to increase their income. He said that the project will provide training and support to women in various aspects of agriculture, including crop production, animal husbandry, and food processing. He also said that the project will provide access to credit and other financial services for women. He concluded by saying that the project is a step towards the empowerment of women and the development of the rural areas.